Written by ईश्वरचंद्र भारद्वाज
Saturday, 10 June 2017 02:44

: □□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□□□-□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□ □□□□□ : □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ : □□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□□, □□ □□□□□ □□□□□□□□ :

□□□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□

□□□□ : यह काफी पुराना किस्सा है, लेकिन आज भी यह किस्सा उन लोगों के लिए किसी बड़े प्रेरणा-स्तम्भ की तरह अडिग है, जिन्होंने मानवता की पीड़ा को महसूस कर उसका सटीक और बेबाक रास्ता बनाया। लेकिन हैरत की बात है कि अपनी नौकर की पारिवारिक मांगलिक जरूरत को जिस तरह चौधरी जी ने महसूस किया, उनके बाद की संततियों के वश की बात नहीं। चौधरी अजीत सिंह के बस की भी नहीं।

जी हां, यह घटना तक की है, जब चौधरी चरण सिंह प्रधानमंत्री बन चुके थे। पहले भी, उस वक़्त भी और उसके बाद के वक़्त में भी उनके साथी हमेशा उनके साथ जुड़े रहे, कोई भी फर्क नहीं पड़ा किसी पर भी। चौधरी जी की जरूरतें, और उनके आश्रित लोगों की जरूरतों को आपस में पूरी तरह समझने और उसके लिए निदान खोजने-करने के लिए कोई सानी नहीं था। तो, उस वक़्त उनका पुराना नाई ही उनका घरेलू हजाम था। उस नाई की बेटी की शादी तय हो गयी तो उन्होंने चौधरी साहब को बताया। चरण सिंह जी ने बधाई दी और कोई मदद की जरूरत बताने को कहा। नाई ने कुछ हजार माँग लिए मगर चौधरी साहब के पास प्रधानमंत्री के रूप में मानदेय मिलने पर भी नाई की जरूरत के हिसाब से पैसे नहीं थे। चौधरी साहब ने कहा देख भाई पैसे अभी है नहीं मगर चिंता मत कर पूरी शिद्दत से शादी कर मैं खुद देख लूंगा।

नाई ने बड़ी मुश्किल से शादी का इंतजाम किया और शादी का खर्च जोड़ा तो पसीने छूट गए। शादी से दो दिन पहले चौधरी साहब से फिर बोला कि चौधरी साहब खर्चा ज्यादा होगा कैसे लोगों का कर्ज उतारूंगा ?

चौधरी साहब बोले परसों "जीमण वार वाले दिन तक सब ठीक हो जाएगा। ज्यादा नहीं सोचते"।

10 बजे खाना जीमण वार चालू हुआ।

मगर ये क्या ?

देश का प्रधानमंत्री खुद अपने नाई की बेटी का कन्या दान लिख रहा था। 10 बजे से 3 बजे तक चरण सिंह जी ने कन्यादान लिखा।

Written by ईश्□वरचंद्र भारद्वाज
Saturday, 10 June 2017 02:44

देखते ही देखते कन्यादान लाख रुपये तक पहुंच गया□ सामाजिक सहयोग से गरीब कन्या की ससम्मान विदाई हुई□

ईश्वर चंद्र भारद्वाज उप्र के जल संस्□थान संगठनों में बड़े ओहदों में रह चुके हैं□ फिलहाल अपनी सेवानिवृत्ति के बाद वे आगरा में रह रहे हैं□

(अब www.meribitiya.com की हर खबर को
फौरन हासिल कीजिए अपनी फेसबुक पर।
मेरी बिटिया डॉट कॉम के फेसबुक पेज पर पधारिये और LIKE पर क्लिक कीजिए)

(अपने आसपास पसरी-पसरती दलाली, अराजकता, लूट, भ्रष्टाचार, टांग-खिंचाई और किसी प्रतिभा की हत्या की साजिशें किसी भी शख्स के हृदय-मन-मस्तिष्क को विचलित कर सकती हैं। समाज में आपके आसपास होने वाली कोई भी सुखद या घटना भी मेरी बिटिया डॉट कॉम की सुर्खिया बन सकती है। चाहे वह स्त्री सशक्तीकरण से जुड़ी हो, या फिर बच्चों अथवा वृद्धों से केंद्रित हो। हर शख्स बोलना चाहता है। लेकिन अधिकांश लोगों को पता तक नहीं होता है कि उसे अपनी प्रतिक्रिया कैसी, कहां और कितनी करनी चाहिए।अब आप नि:श्चिंत हो जाइये। अब आपके पास है एक बेफिक्र रास्ता, नाम है प्रमुख न्यूज पोर्टल www.meribitiya.com। आइंदा आप अपनी सारी बातें हम www.meribitiya.com के साथ शेयर कीजिए न। ऐसी कोई घटना, हादसा, साजिश की भनक मिले, तो आप सीधे हमसे सम्पर्क कीजिए। आप नहीं चाहेंगे, तो हम आपकी पहचान छिपा लेंगे, आपका नाम-पता गुप्त रखेंगे। आप अपनी सारी बातें हमारे ईमेल kumarsauvir@gmail.com पर विस्तार से भेज दें। आप चाहें तो हमारे मोबाइल 9415302520 पर भी हमें कभी भी बेहिचक फोन कर सकते हैं।)